



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 427]  
No. 427]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 5, 1998/कार्तिक 14, 1920  
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 5, 1998/KARTIKA 14, 1920

जलभूतल परिवहन मंत्रालय

(पोर्ट शाखा)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1998

सा.का.नि. 657(अ)—महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोर्ट न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कोचिन पत्तन न्यास कर्मचारी (गृह निर्माण पेशगी) परिवार सुविधा विनियम 1998 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

अनुसूची

कोचिन पोर्ट ट्रस्ट (गृह निर्माण पेशगी)

परिवार लाभकारी निधि विनियम, 1998

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(क) इन विनियमों का नाम कोचिन पोर्ट कर्मचारी (गृह निर्माण पेशगी) परिवार लाभकारी निधि विनियम, 1998 है।

(ख) जिन अधिकारियों/कर्मचारियों को पोर्ट ट्रस्ट से गृह निर्माण पेशगी मिला है और इस योजना में शामिल होने के लिए तैयार है और इस विनियम के प्रारंभ के बाद जो लोग गृह निर्माण पेशगी के लिए आवेदक हैं उनके लिए भी ये विनियम लागू होंगे।

2. प्रारंभ

ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

3. परिभाषाएँ

इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 अभिप्रेत है।

(ख) "बोर्ड" और "अध्यक्ष" से महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के अधीन उनके लिए दिये गये अर्थ अभिप्रेत है।

(ग) "कर्मचारी" से विनियम के उपर्युक्त 1(ख) के अनुसार अधिकारी/कर्मचारी/मजदूर अभिप्रेत है।

- (घ) "निधि" से गृह निर्माण पेशगी की ओर निपटारा नहीं की गई देयताओं के लिए कोचिन पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी गृह निर्माण पेशगी परिवार सुविधा निधि अभिप्रेत है।
- (ङ) "वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी", "सचिव" से बोर्ड का क्रमशः वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी और सचिव अभिप्रेत है।

#### 4. उद्देश्य

इस विनियम का उद्देश्य केवल बोर्ड से लिये गये गृह निर्माण पेशगी की ओर निपटारा नहीं की गई देयताओं के लिए निधि से परिकर देना है जिसमें सेवा में रहते समय मृत एक कर्मचारी के ब्याज भी मिलाया है जो वित्तीय सहायता सम्बन्धी चालू सीमाओं के आधार पर होगा।

#### 5. निधि का गठन

- (क) "कोचिन पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी" (गृह निर्माण पेशगी) परिवार लाभकारी निधि नामक एक निधि बोर्ड के कर्मचारियों, जिन्होंने गृह निर्माण पेशगी लिया है/लिये जाने वाले हैं, से मासिक किस्त के रूप में अंशदान और बोर्ड के अंशदान से गठित की जाए।
- (ख) "कोचिन पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी" (गृह निर्माण पेशगी) परिवार सुविधा निधि नामक एक खाता भारतीय स्टेट बैंक, वि/आइलैन्ड में खुला जाए।

#### 6. निधि में अंशदान

- (क) हर एक कर्मचारी, जिसके लिए ये विनियम लागू होंगे रु. 25/- का एक गैर-वापसी अंशदान प्रति महीने के लिए बनायेगा और ऐसा अंशदान उसके/उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख तक या अन्यथा या ब्याज सहित गृह निर्माण पेशगी के भुगतान तक, जो पहले हो अदा किया जाएगा। भविष्य के मामलों में गृह के एकदम खरीद के लिए या निर्माण के लिए अमीन के खरीद के लिए गृह निर्माण पेशगी के प्रथम किस्त के वितरण के तुरन्त आनेवाले महीने में अंशदान शुरू किया जाएगा। अगर किसी महीने में किसी कारण से अंशदान की वसूली न की जा सकती तो, ऐसे देय तदनुवर्ती वेतन बिल या अन्य किसी निपटारे देय से वसूल किया जाएगा।
- (ख) इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार आनेवाले कर्मचारियों की संख्या के आधार पर वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में प्रति कर्मचारी के लिए प्रति महीने बोर्ड द्वारा रु. 12.50 का अंशदान बनाया जाएगा, उस वित्तीय वर्ष के लिए बोर्ड द्वारा दिये गये अधिक या तुच्छ अंशदान अगले भुगतान के समय ध्यान में रखा जाएगा।

#### 7. सेवा में रहते समय मृत्यु होने पर भुगतान

सेवा में रहते समय मृत्यु होने पर एक कर्मचारी के मामले में उसके/उसकी मृत्यु की तारीख तक गृह निर्माण पेशगी के वापसी की ओर मूल एवं ब्याज सहित उसके/उसकी देय रकम, प्रारंभिक वर्षों में रु. 75,000/- तक निधि से पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड को प्रतिपूर्ति की जाएगी, बशर्ते कि निधि में अंशदान उसकी मृत्यु की महीने तक जारी किया हो। यद्यपि, मजदूरी अधिनियम के भुगतान के उपबन्धों के प्रयोग के अनुसार या पोर्ट ट्रस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणपत्र के अनुसार कर्मचारी के दीर्घकृत बीमारी के कारण या अन्य किसी कारण से, स्वतः किये गये चूक के अपवाद में, कर्मचारी का अंशदान उसके वेतन से वसूल नहीं किया जा सका तो, अंशदान का बकाया ट्रस्ट द्वारा कर्मचारी को देय किसी भी रकम से समायोजित किया जाएगा। शेष रकम, अगर है तो नामांकित व्यक्ति द्वारा निर्वहन किया जाएगा। जब समुचित दिखाई पड़ने पर बोर्ड द्वारा रु. 75,000/- की सीमा एक बड़े रकम तक वर्द्धित किया जाएगा या योजना के वित्तीय व्यवहार्यता मालूम होने पर यह सीमा दूर की जाएगी।

#### 8. निधि का प्रशासन

- (क) अध्यक्ष, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी एवं सचिव से गठित एक समिति द्वारा निधि का प्रशासन किया जाएगा।
- (ख) वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी एवं सचिव संयुक्त रूप से या उपर्युक्त पदों से कम न होने वाले अन्य अधिकारी, जो अध्यक्ष द्वारा अपने नाते प्राधिकृत, द्वारा निधि का प्रवर्तन न किया जाएगा।
- (ग) समय समय पर अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार निधि में पर्याप्त रकम का निक्षेप, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा बनाया जाएगा।
- (घ) समिति द्वारा, यदि यह समझदार होने का निर्णय लेता है तो निधि के लिए प्रीमियम अदा करके, उचित बीमायुक्त रकम के लिए दुर्घटना से उत्पन्न मृत्यु के विरुद्ध योजना के नामांकित सदस्यों की बीमा के लिए तैयारी की जाएगी।
- (ङ) निधि से भुगतान के लिए दावा वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा प्रक्रिया की जाएगी।

#### 9. लेखा एवं लेखा परीक्षा

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी अपने अधीन निधि के प्रशासन सम्बन्धी एक अधिकारी द्वारा अनिवार्य लेखा एवं लेखा परीक्षा पुस्तक रखने के लिए प्रबन्ध किया जाएगा।

#### 10. व्याख्या

इन विनियमों की व्याख्या से सम्बन्धित कोई प्रश्न उठता है तो यह बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

[फा. सं. पी.आर.-12016/28/98 पी.ई.-एस]

के.वी. राऊ, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT****(Ports Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th November, 1998

**G.S.R. 657(E).**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 124, read with Sub-section (i) of Section 132 of the Major ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Cochin Port Trust Employees (HBA) Family Benefit Regulations, 1998 made by the Board of Trustees for the Port of Cochin and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

**SCHEDULE****COCHIN PORT TRUST EMPLOYEES****(House Building Advance)**

Family Benefit Fund Regulations, 1998.

**1. Short title and application**

- (a) These Regulations may be called the 'Cochin Port Trust Employees' (House Building Advance) Family Benefit Fund Regulations, 1998.
- (b) These Regulations shall apply to those officers/employees of the Board who have already availed the House Building Advance from the Port Trust and are willing to join the scheme and those who avail H.B.A. after the commencement of the Regulation.

**2. Commencement.**— It shall take effect from the date of publication in the Gazette of India.

**3. Definitions.**—In these Regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) The "Act" means the Major Port Trusts Act, 1963.
- (b) "Board" and "Chairman" shall have the meanings assigned to them under the Major Port Trust Act, 1963.
- (c) "Employee" means Officer/Employee/Worker to whom the Regulations apply under 1(b) above.
- (d) "Fund" means the Cochin Port Trust Employees House Building Advance Family Benefit Fund for meeting the undischarged liability towards H.B.A.
- (e) "Financial Adviser and Chief Accounts Officer", "Secretary" shall mean the Board's Financial Adviser and Chief Accounts Officer and Secretary respectively.

**4. Object.**—The object of the Regulations is to compensate from the Fund the undischarged liability towards H.B.A. availed from the Board only including interest thereon in the case of an employee who dies in harness, while in Service, subject to the prevailing limits of Financial assistances.

**5. Constitution of the Fund**

- (a) A Fund styled the "Cochin Port Trust Employees" (House Building Advance) Family Benefit Fund shall be constituted with the contribution made monthly by the employees of the Board who have already availed/avail the H.B.A. and with the contribution by the Board.
- (b) An account called the "Cochin Port Trust Employees" (House Building Advance) Family Benefit Fund shall be opened in the State Bank of India, W/Island.

**6. Contribution to the Fund**

- (a) Every employee to whom the Regulations apply shall make a non-refundable subscription of Rs. 25/- (Rupees twenty five only) per month and such subscription should continue to be paid by him/her till the date of his/her retirement on superannuation or otherwise or till repayment of the H.B.A. together with interest accrued thereon, which ever is earlier. In respect of future entrants subscription will commence from the pay of the month immediately following that in which the first instalment of the H.B.A. is disbursed either for the out right purchase of the house or for the purchase of plot or for construction. If during any month, recovery of subscription could not be made for any reason, such dues will be recovered from the subsequent pay bill or any other settlement dues.

- (b) The Board shall make contribution of Rs. 12.50 (Rupees twelve and paise fifty only) per mensem, per employee, at the beginning of each financial year on the basis of the number of employees covered by the provisions of the Regulations, the excess or short contribution by the Board for that financial year being made good at the time of the next payment of contribution.

#### **7. Payment in the event of death while in Service**

In the case of an employee dying while in service, the amount due from him/her i.e. the principal and interest towards the repayment of the H.B.A. due thereon upto the date of his/her death, upto an amount of Rs. 75,000 in the initial years, shall be reimbursed to the Port Trust Board by meeting the same from the fund, provided the subscription to the Fund has been commenced and continued till the month of his death. However, in cases where the recovery of the employee's subscription could not be effected regularly from the employees's salary due to application of the provisions of the payment of Wages Act or due to the prolonged illness of the employee duly certified by the Port Trust's Chief Medical Officer or due to any other reason, excepting in cases where such lapses were committed wilfully, the arrears of subscription shall be adjusted from any amount payable to the employee by the Trust. The balance amount, if any should be discharged by the nominee. The Board, when it deems appropriate shall enhance the limit of Rs. 75,000 to a higher amount or shall remove the limit when it is convinced of the financial viability of the scheme.

#### **8. Administration of the Fund**

- (a) The fund shall be administered by a committee consisting of the Chairman, Financial Adviser and Chief Accounts Officer and the Secretary.
- (b) The Fund shall be operated by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer and Secretary, jointly or any other Officer not below the above rank, authorised by the Chairman, on his behalf.
- (c) The investment of the amount available in the fund shall be made by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer in such a way as may be decided by the Chairman from time to time.
- (d) The committee shall, if it decides to be prudent, arrange for insurance of the enrolled members of the scheme against death arising out of accident for suitable insured amounts, paying the premium for the fund.
- (e) The claims for payment from the fund shall be processed by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer and put up to the committee.

#### **9. Accounts and Audit**

The Financial Advisor and Chief Accounts Officer shall arrange to maintain the necessary books of accounts and audit by one of the officers under his control in Administering the Fund.

#### **10. Interpretation**

If any question arises relating to the interpretation of these Regulations, the same shall be referred to the Board.

[F. No. PR-12016/28/98-PE-S]

K. V. RAO, Jt. Secy.